शिल्पा शेट्टी ने फिल्म 'धुरंधर' की तारीफ की

बॉलीवुड स्टार शिल्पा शेट्टी ने फिल्म धुरंधर की तारीफ की है. फिल्म धुरंधर में रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, संजय दत्त, आर. माधवन और अर्जुन रामपाल की अहम भूमिका हैं. यह हाई-ऑक्टेन एक्शन-थ्रिलर आदित्य धर द्वारा लिखित, निर्देशित और निर्मित है, और इसका निर्माण ज्योति देशपांडे और लोकेश धर ने किया है.

जियो स्टूडियोज़ द्वारा प्रस्तुत, बी62 स्टूडियोज़ के प्रोडक्शन और सारेगामा के सहयोग से यह फिल्म बनी है.इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी है और इसे दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है. वहीं दूसरी ओर फिल्म को कई सेलेब्स से भी लगातार प्रशंसा मिल रही है. इसमें शिल्पा शेट्टी का नाम भी शामिल हो गया है.

शिल्पा शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर फिल्म धुरंधर में अक्षय खन्ना का डांस स्टेप रीक्रिएट किया और वीडियो शेयर किया है.साथ ही उन्होंने रणवीर सिंह समेत पूरी कास्ट, संगीत और निर्देशक आदित्य धर की जमकर तारीफ की है. शिल्पा शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर अक्षय खन्ना के डांस स्टेप को रीक्रिएट करते हुए एक वीडियो शेयर किया. पोस्ट को कैप्शन देते हुए उन्होंने लिखा, 'फैंन तो मिला नहीं लेकिन मैं फैंन बन गयी हूँ, तो ये ट्रेंड करना बनता था.' वीडियो के अंत में शिल्पा मजाक करती हैं कि उनकी टीम पंखा चलाना भूल गई, जिससे उनकी सारी मेहनत बेकार हो गई.

शिल्पा ने अपने पोस्ट में रणवीर सिंह के बारे में कहा, 'रणवीरसिंह आपका टाइम आ गया... सहज अभिनय, फिर भी किरदार में एकदम फिट.' उन्होंने अक्षय खन्ना की विशेष रूप से प्रशंसा करते हुए लिखा, 'अक्षयखन्ना, ओएमजी ... ऑरा मैक्स.' शिल्पा ने आर. माधवन, अर्जुन रामपाल और संजय दत्त की भी तारीफ करते हुए लिखा, 'एक्टरमैडी, आपसे बेहतर कोई नहीं कर सकता था.

सीरियल 'इत्ती सी खुशी' को मिला आईटीए पुरस्कार

सोनी सब टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले फैमिली ड्रामा 'इत्ती सी खुशी' ने 'इंडियन टेलीविज़न अकादमी पुरस्कार 2025' में बेस्ट शो-ड्रामा का अवॉर्ड जीता है.

इस शो में सुम्बुल तौकीर खान, वरुण बडोला, रजत वर्मा और ऋषि सक्सेना मुख्य भूमिका में हैं और इसकी भावनात्मक कहानी के लिए इसे काफी सराहा गया है. यह शो एक ऐसे परिवार की कहानी है जो भावनात्मक ज़ख्मों, अनसुलझे अतीत और उससे उबरने के नाजुक सफर से गुज़र रहा है. यह दिखाता है कि कैसे प्यार, नुकसान और अनकहे तनाव माता-पिता, बच्चों, भाई-बहनों और जीवनसाथियों के बीच रिश्तों को आकार देते हैं.

नाटकीय रोमांचों पर निर्भर रहने के बजाय इसकी कहानी छोटे, असली पलों में अपनी ताकत ढूंढती है, यह इस बात पर ज़ोर देती है कि खुशी अक्सर बड़े समाधानों के बजाय छोटे-छोटे टुकड़ों में मिलती है.

'इत्ती सी खुशी' को पुरस्कार मिलने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसमें मुख्य भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री सुम्बुल तौकीर खान ने कहा, ''इत्ती सी खुशी' एक ऐसी कहानी है जिसे ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ दर्शाया गया है.

100 करोड़ की दो हिट के साथ उत्साहित : आयुष्मान

बॉलीवुड स्टार आयुष्मान खुराना का कहना है कि वह लगातार 100 करोड़ की दो हिट फिल्मों के साथ वर्ष 2026 में प्रवेश करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं. आयुष्मान खुराना ने 2025 में इंडस्ट्री के सबसे भरोसेमंद नामों में से एक होने की अपनी साख को पूरी तरह साबित किया है.

उनके करियर की पहली फेस्टिवल रिलीज़ थामा ने 100 करोड़ क्लब में शानदार एंट्री की, जो आयुष्मान की पांचवीं 100 करोड़ की फिल्म होने के साथ-साथ उनके करियर की अब तक की सबसे बड़ी ओपनर भी बनी.जहां आयुष्मान हमेशा कंटेंट-ड्रिवन कहानियों के प्रति अपने लगाव को खुलकर स्वीकार करते हैं,जहां आम आदमी हीरो होता है,वहीं अब वह नए साल में अपने गेम को नए स्तर पर ले जाने की तैयारी में हैं.

2026 में उनकी चार फिल्मों का दमदार लाइनअप है, जिन्हें सम्पूर्ण पारिवारिक मनोरंजन के तौर पर पेश किया जा रहा है. आयुष्मान खुराना ने कहा, 'पोस्ट-पैंडेमिक थिएट्रिकल एक्सपीरियंस का टेक्सचर पूरी तरह बदल चुका है और ऐसे समय में यह सफलता बेहद संतोषजनक लगती है.

मेरा दिल कृतज्ञता से भरा है कि ड्रीम गर्ल 2 और थामा दोनों सफल रहीं. वर्ष 2026 में लगातार दो 100 करोड़ की हिट फिल्मों के साथ कदम रखना मेरे लिए बेहद रोमांचक है. नए साल की शुरुआत में मैं पति पत्नी और वो दो को लेकर उत्साहित हूं.यह एक साफ-सुथरी पारिवारिक कॉमेडी है और ऐसी फिल्मों की हमेशा जगह रहती है.'

हॉलीवुड में प्रियंका का देसी तड़का, निक हुए हैरान

प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस का रिश्ता बॉलीवुड और हॉलीवुड दोनों ही जगह फैंस के लिए खास है. शादी को सात साल पूरे हो चुके हैं और दोनों अपने-अपने करियर में लगातार सुर्खियों में रहते हैं. हाल ही में प्रियंका चोपड़ा 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में नजर आईं, जहां उन्होंने अपने देसीपन और पति के साथ हुए एक मजेदार किस्से को साझा किया. प्रियंका ने बताया कि निक जोनस को कभी-कभी इंडियन फूड का स्वाद देना उनका एक मजेदार तरीका है. इसी सिलसिले में उन्होंने निक को हाजमोला खिलाया.

प्रियंका के अनुसार, निक ने हाजमोला खाते ही मुँह मिचकाया और कहा कि इसमें फार्ट जैसी स्मैल आती है. यह सुनकर शो की ऑडियंस हंसते-हंसते लोटपोट हो गई. प्रियंका ने आगे बताया कि उनके बेडरूम ड्रॉवर में हमेशा हाजमोला और कुछ चटपटी चीजें रहती हैं. निक अक्सर उनसे पूछते थे कि इसमें क्या रखा है, लेकिन प्रियंका मजाकिया अंदाज में उन्हें दूर रहने की सलाह देती थीं. प्रियंका ने कहा कि यह सिर्फ स्वाद ही नहीं, बल्कि उनका देसीपन और इंडियन कल्चर के प्रति उनका प्यार है. चाहे सर्दियों में निक को काढ़ा पिलाना हो या किसी स्पाइसी डिश का अनुभव कराना, प्रियंका हमेशा अपने अंदाज में अपने पति की देखभाल करती हैं. हाजमोला का यह छोटा सा किस्सा उनके मजाकिया और प्यार भरे रिश्ते की झलक देता है.

फैंस के लिए यह खबर भी खास है कि प्रियंका और निक का रिश्ता केवल ग्लैमर और स्टारडम तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें हंसी-मजाक और छोटी-छोटी खुशियों की मिठास भी है. सात साल की शादी के बावजूद दोनों का बॉन्ड और मजबूत हुआ है. प्रियंका का देसीपन हॉलीवुड में भी कायम है और यही चीज फैंस को बेहद पसंद आती है. इस किस्से ने यह भी साबित कर दिया कि चाहे दुनिया की कोई भी जगह हो, प्रियंका चोपड़ा अपने इंडियन फूड और संस्कृति को भूल नहीं पाईं. निक जोनस की मस्ती और प्रियंका की शरारत ने शो में एक हल्की-फुल्की हंसी का माहौल बना दिया, जो फैंस को लंबे समय तक याद रहेगा.

दो अक्टूबर को रिलीज होगी अजय की फिल्म 'दृश्यम 3'

बॉलीवुड के सुपरस्टार अजय देवगन अपनी हिट फिल्म श्रृंखला 'दृश्यम' के तीसरे और आखिरी पार्ट के साथ वापसी कर रहे हैं. मेकर्स ने आज आधिकारिक घोषणा की कि फिल्म 'दृश्यम 3' 2 अक्टूबर 2026 को गांधी जयंती के अवसर पर रिलीज़ होगी.

अजय देवगन ने अपनी पिछली दो फिल्मों 'दृश्यम' और 'दृश्यम 2' से दर्शकों का दिल जीत रखा है और अब फैंस को इस तीसरे पार्ट का बेसब्री से इंतजार है. फिल्म के अनाउंसमेंट वीडियो में अजय देवगन ने अपने किरदार की भूमिका और कहानी का भावनात्मक पहलू साझा किया. वीडियो में वे कहते हैं, 'दुनिया मुझे कई नाम से बुलाती है. लेकिन मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता. पिछले सात सालों में जो कुछ हुआ, जो कुछ किया, जो कुछ देखा, जो कुछ दिखाया, उससे मुझे एक बात समझ में आ गई है. इस दुनिया में हर किसी का सच अलग है, हर किसी का सही अलग है. मेरा सच, मेरा सही सिर्फ मेरी फैमिली है. जब तक सब थक नहीं जाते, जब तक सब हार नहीं जाते, मैं यहीं खड़ा हूं, चौकीदार बनकर, पहरेदार बनकर, एक दीवार बनकर, क्योंकि कहानी अभी तक खत्म नहीं हुई है. आखिरी हिस्सा अभी बाकी है.'

यह फिल्म अभिषेक पाठक द्वारा निर्देशित की जा रही है. निर्माण का जिम्मा आलोक जैन, अजीत अंधारे, कुमार मंगत पाठक और अभिषेक पाठक ने संभाला है. मेकर्स का कहना है कि तीसरे पार्ट में कहानी को पूरी तरह से नाटकीय और रोमांचक रूप में प्रस्तुत किया जाएगा, जो पहले दो हिस्सों के स्तर को और भी ऊँचा करेगा.

फिल्म की रिलीज़ डेट गांधी जयंती पर होने के कारण उम्मीद जताई जा रही है कि यह छुट्टियों के मौसम में बड़ी संख्या में दर्शकों को सिनेमाघरों में खींचेगी.

हनी सिंह का म्यूजिक वीडियो 'आदत' रिलीज

यो यो हनी सिंह के एल्बम 51 ग्लोरियस डेज़ का गाना 'आदत' सितंबर में एल्बम के रिलीज़ होते ही स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर चार्ट्स तोड़ने लगा. दर्शकों की ज़बरदस्त मांग को देखते हुए, टी-सीरीज़ और भूषण कुमार अब इस गाने को स्क्रीन पर लेकर आए हैं. यो यो हनी सिंह और एपी ढिल्लों की पावरहाउस जोड़ी द्वारा स्वैग के साथ तैयार किया गया और खूबसूरत वाणी कपूर अभिनीत, 'आदत' एक बार फिर प्लेलिस्ट्स पर छा जाने के लिए तैयार है.

यो यो हनी सिंह और एपी ढिल्लों की आवाज़ और संगीत से सजा 'आदत' यो यो को एपी ढिल्लों की मॉडर्न, वातावरणीय साउंडस्केप में पूरे दमखम के साथ उतरते हुए दिखाता है, वहीं वे अपने सिग्नेचर डॉमिनेंस के साथ ट्रैक पर पूरी पकड़ बनाए रखते हैं. शिंडा कहलोन और जैकबार्स के बोल गाने में एक सिहरन भरी कड़वाहट जोड़ते हैं, जो मूड को और गहराई देते हैं और कंपोज़िशन के इमोशनल एज को और तेज़ करते हैं.

मिहिर गुलाटी द्वारा निर्देशित म्यूज़िक वीडियो इस इलेक्ट्रिक फ्यूज़न को दर्शाता है, जो एपी ढिल्लों की शैडोई, मिनिमलिस्ट एस्थेटिक और यो यो हनी सिंह की बोल्ड, लाइफ से बड़ी दुनिया के बीच सहजता से आगे-पीछे चलता है. वाणी कपूर की मैग्नेटिक मौजूदगी हर फ्रेम को थामे रखती है, जो विजुअल नैरेटिव में बैलेंस, आकर्षण और तीव्रता लेकर आती है. साथ मिलकर, यह तिकड़ी एक स्टाइलिश, हाई-वोल्टेज स्पेक्टेकल पेश करती है, जो लंबे समय तक असर छोड़ता है. पहले से ही देशभर में प्लेलिस्ट्स पर धूम मचाता और सभी प्रमुख प्लेटफॉर्म्स पर स्ट्रीम होता एक सर्टिफ़ाइड फैन फेवरेट बन चुका 'आदत' अपनी जीत की लय बरकरार रखे हुए है.

जी टीवी सितारों ने किसानों को किया नमन

राष्ट्रीय किसान दिवस यानी किसान दिवस के मौके पर ज़ी टीवी के कलाकारों ने देश के किसानों के प्रति सम्मान, आभार और समर्थन जताया. 'गंगा माई की बेटियां की शुभांगी लाटकर, 'लक्ष्मी निवास' के राजेंद्र चावला, 'जगद्धात्री' की गीता त्यागी और 'वसुधा' की परिणीता बोरठाकुर ने इस खास दिन पर किसानों की मेहनत और योगदान को याद किया. हर साल 23 दिसंबर को मनाया जाने वाला किसान दिवस उन किसानों को समर्पित होता है, जो दिन-रात मेहनत करके मिट्टी से अन्न उगाते हैं और करोड़ों लोगों का पेट भरते हैं.

'गंगा माई की बेटियां' में नजर आ रहीं शुभांगी लाटकर कहती हैं, 'इस किसान दिवस पर मैं हर उस किसान को सलाम करना चाहती हूं, जो सुबह तड़के उठकर अपने हाथों और दिल से काम करता है और पूरे देश को खाना देता है. 'गंगा माई की बेटियां' में मैं एक ऐसी मां का किरदार निभा रही हूं, जो मूल्यों से जुड़ी है, और यही मुझे याद दिलाता है कि हम अपनी ज़मीन को सींचने वालों के कितने कर्जदार हैं. उनकी मेहनत, त्याग और हौसला ही वो जड़ है, जो भारत को मजबूती से खड़ा रखती है.' शुभांगी के लिए किसान दिवस उन लोगों को सम्मान देने का दिन है, जो बिना कुछ कहे बहुत कुछ सहते हैं और फिर भी देश का पेट भरते हैं.

'लक्ष्मी निवास' में नजर आने वाले राजेंद्र चावला कहते हैं, 'खेती सिर्फ एक पेशा नहीं है, बल्कि हमारे देश की रीढ़ है. एक कलाकार के तौर पर जब मैं अपनी सुविधाओं के बारे में सोचता हूं, तो हर थाली के पीछे किसान की लगातार मेहनत याद आती है. इस किसान दिवस पर मैं देश के करोड़ों लोगों के साथ मिलकर किसानों की मेहनत को नमन करता हूं और उम्मीद करता हूं कि समाज उन्हें वो सम्मान और सहारा दे, जिसके वे हकदार हैं.' 'जगद्धात्री' की गीता त्यागी कहती हैं, 'किसान हमारे देश की असली ताकत हैं. किसान दिवस हमें उन मूल्यों की याद दिलाता है, जिन्हें हमारे अन्नदाता हर दिन जीते हैं. इस दिन मैं दिल से उन किसानों का शुक्रिया अदा करती हूं, जो बिना किसी उम्मीद के पूरे देश को भोजन देते हैं.

अंकुरित आहारः सेहत के लिए प्राकृतिक संजीवनी

अंकुरित अनाज यानी स्प्राउट्स को आयुर्वेद और आधुनिक पोषण विज्ञान दोनों ही सेहत के लिए बेहद लाभकारी मानते हैं. मूंग, चना, मसूर, मेथी जैसे अनाज जब पानी में भिगोकर अंकुरित किए जाते हैं, तो उनमें मौजूद पोषक तत्व कई गुना बढ़ जाते हैं. यही कारण है कि अंकुरित आहार को 'सुपरफूड' भी कहा जाता है, जो हर उम्र के लोगों के लिए फायदेमंद है.

अंकुरण की प्रक्रिया के दौरान बीजों में मौजूद एंजाइम सक्रिय हो जाते हैं, जिससे प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम, फाइबर और विटामिन ष्ट की मात्रा बढ़ जाती है. सामान्य दालों की तुलना में अंकुरित दालें आसानी से पच जाती हैं और शरीर को तुरंत ऊर्जा देती हैं. खासतौर पर शाकाहारी लोगों के लिए अंकुरित अनाज प्रोटीन का बेहतरीन स्रोत हैं, जो मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं. सर्दियों के मौसम में अंकुरित आहार का महत्व और भी बढ़ जाता है.

ठंड के कारण शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो सकती है, ऐसे में अंकुरित अनाज इम्यूनिटी को मजबूत करते हैं. इनमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन शरीर को सर्दी-जुकाम, खांसी और संक्रमण से बचाने में सहायक होते हैं. सुबह खाली पेट अंकुरित मूंग या चने का सेवन करने से शरीर दिनभर चुस्त और ऊर्जावान रहता है.

मूंग दाल की खेती: कम लागत, अधिक मुनाफे की फसल

देश के किसानों के लिए मूंग दाल की खेती आज एक लाभकारी विकल्प बनकर उभरी है. कम समय में तैयार होने वाली यह दलहनी फसल न केवल मिट्टी की उर्वरता बढ़ाती है, बल्कि बाजार में अच्छी कीमत भी दिलाती है. खास बात यह है कि मूंग दाल की खेती रबी और खरीफ दोनों मौसमों में की जा सकती है, जिससे किसानों को साल में दो बार आमदनी का मौका मिलता है.

मूंग दाल की बुवाई के लिए दोमट या हल्की बलुई मिट्टी सबसे उपयुक्त मानी जाती है, जिसमें जल निकास अच्छा हो. खरीफ में इसकी बुवाई जून के अंतिम सप्ताह से जुलाई के मध्य तक की जाती है, जबकि गर्मी की फसल के लिए फरवरी-मार्च का समय सही रहता है. बुवाई से पहले खेत की 2-3 जुताई कर उसे भुरभुरा बना लेना चाहिए. प्रमाणित बीज का चयन जरूरी है और बीजोपचार करने से रोगों का खतरा कम हो जाता है. खेती में लागत की बात करें तो मूंग दाल की फसल पर प्रति एकड़ औसतन 8 से 12 हजार रुपये का खर्च आता है. इसमें बीज, खाद, कीटनाशक, सिंचाई और मजदूरी का खर्च शामिल होता है. मूंग एक दलहनी फसल होने के कारण इसे ज्यादा नाइट्रोजन की जरूरत नहीं पड़ती. फास्फोरस और पोटाश का संतुलित प्रयोग बेहतर पैदावार देता है. सिंचाई की जरूरत भी सीमित होती है, जिससे पानी की बचत होती है. मूंग दाल की फसल लगभग 60 से 70 दिनों में तैयार हो जाती है. समय पर निराई-गुड़ाई और कीट नियंत्रण करने से उत्पादन बढ़ाया जा सकता है.

एक एकड़ खेत से औसतन 4 से 6 क्विंटल मूंग दाल की पैदावार आसानी से ली जा सकती है. वर्तमान बाजार भाव की बात करें तो मूंग दाल 7,000 से 9,000 रुपये प्रति क्विंटल तक बिक रही है, जो क्षेत्र और गुणवत्ता पर निर्भर करता है. अगर औसतन हिसाब लगाया जाए तो एक एकड़ से 30 से 45 हजार रुपये तक की आमदनी हो सकती है. लागत निकालने के बाद किसान को 20 से 30 हजार रुपये तक का शुद्ध मुनाफा मिल सकता है. यही वजह है कि मूंग दाल की खेती छोटे और मध्यम किसानों के लिए एक सुरक्षित और फायदेमंद विकल्प साबित हो रही है. कम समय, कम खर्च और बेहतर मुनाफे की वजह से मूंग दाल की खेती किसानों की आय बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकती है.

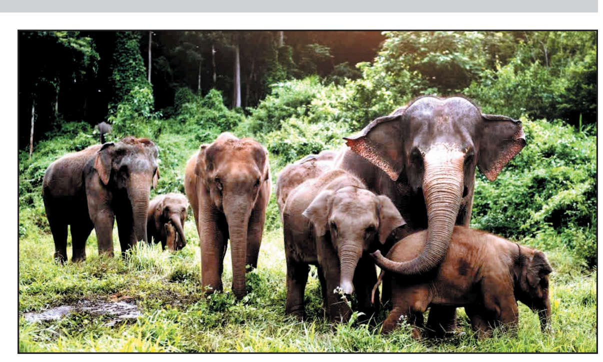

हाथी की सेहत पालक की जिम्मेदारी

हाथी पालन केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि परंपरा, धैर्य और संवेदनशीलता से जुड़ा कार्य है. भारत में मंदिरों, वन क्षेत्रों और पर्यटन स्थलों पर हाथियों का पालन किया जाता है. हाथी बुद्धिमान और भावनात्मक जानवर होते हैं, इसलिए उनकी देखभाल में लापरवाही सीधे उनकी सेहत और व्यवहार पर असर डालती है. सही खानपान, समय पर चिकित्सा और मानवीय व्यवहार हाथी पालन की सबसे बड़ी जरूरत है.

हाथी के लिए संतुलित आहार बेहद जरूरी होता है. रोजाना उसे हरा चारा, घास, गन्ना, केला, नारियल, धान का पुआल और पर्याप्त पानी देना चाहिए. एक वयस्क हाथी दिन में 150-200 किलो तक भोजन और 150 लीटर तक पानी पी सकता है. आहार में खनिज और नमक की उचित मात्रा देना भी जरूरी है, जिससे हड्डियां और दांत मजबूत रहें. गंदा या सड़ा भोजन हाथी को कभी नहीं देना चाहिए. हाथी की साफ-सफाई और शारीरिक गतिविधि भी उतनी ही महत्वपूर्ण है. रोजाना उसे चलाना, नहलाना और धूप में रखना जरूरी होता है. हाथी की त्वचा संवेदनशील होती है, इसलिए नियमित स्नान से त्वचा रोगों से बचाव होता है. पैरों की देखभाल पर विशेष ध्यान देना चाहिए, क्योंकि पैरों में चोट या संक्रमण होने पर हाथी चलने में असमर्थ हो सकता है. सर्दियों के मौसम में हाथियों की देखभाल और भी जरूरी हो जाती है. ठंड के कारण हाथियों में सर्दी, खांसी और जोड़ों की समस्या हो सकती है. ऐसे में उनके रहने की जगह को हवा और ठंड से बचाना चाहिए. सुबह के समय धूप में खड़ा करना, गुनगुना पानी पिलाना आहार में गर्म तासीर वाले खाद्य पदार्थ शामिल करना लाभकारी होता है.

हाथी के मानसिक स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना जरूरी है. मारपीट, ज्यादा काम और भूखा रखना हाथी को आक्रामक बना सकता है. प्रेम, धैर्य और नियमित दिनचर्या से हाथी शांत और स्वस्थ रहता है. समय-समय पर पशु चिकित्सक से जांच कराना और टीकाकरण कराना अनिवार्य है.

अदरक की खेती : मसाले की फसल से मजबूत कमाई

अदरक की खेती आज किसानों के लिए नकदी फसल के रूप में तेजी से लोकप्रिय हो रही है. भोजन से लेकर दवा और आयुर्वेद तक अदरक की मांग पूरे साल बनी रहती है, जिससे किसानों को बाजार में अच्छे दाम मिलते हैं. सही तकनीक और देखभाल के साथ अदरक की खेती कम समय में बेहतर मुनाफा दे सकती है, खासकर उन किसानों के लिए जो पारंपरिक फसलों से हटकर अधिक आय चाहते हैं.

अदरक की खेती के लिए दोमट या बलुई दोमट मिट्टी सबसे उपयुक्त मानी जाती है, जिसमें जल निकास अच्छा हो. भारी और जलभराव वाली मिट्टी में अदरक की फसल खराब हो सकती है. इसकी बुवाई आमतौर पर अप्रैल से जून के बीच की जाती है. खेत की तैयारी के लिए 3-4 बार जुताई कर मिट्टी को भुरभुरा बना लिया जाता है और क्यारियां बनाकर रोपाई की जाती है. बीज के रूप में स्वस्थ और रोगमुक्त गांठों (राइजोम) का चयन जरूरी होता है.

अदरक की खेती में लागत अपेक्षाकृत अधिक आती है, क्योंकि बीज की मात्रा ज्यादा लगती है. प्रति एकड़ लगभग 6 से 8 क्विंटल बीज की जरूरत होती है. कुल मिलाकर अदरक की खेती पर प्रति एकड़ 60 से 80 हजार रुपये तक की लागत आ जाती है, जिसमें बीज, जैविक खाद, उर्वरक, सिंचाई, निराई-गुड़ाई और मजदूरी का खर्च शामिल होता है.

जैविक खाद जैसे गोबर की खाद और वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग अदरक की गुणवत्ता और उत्पादन दोनों बढ़ाता है. अदरक की फसल को नियमित नमी की जरूरत होती है, लेकिन जलभराव से बचाना जरूरी है. 7-10 दिन के अंतराल पर हल्की सिंचाई लाभकारी रहती है. समय पर निराई-गुड़ाई और मल्चिंग करने से खरपतवार नियंत्रित रहते हैं और नमी बनी रहती है. फसल को गलन और कीट रोगों से बचाने के लिए बीजोपचार और फसल चक्र अपनाना जरूरी है.

अदरक की फसल लगभग 7 से 8 महीने में तैयार हो जाती है. एक एकड़ खेत से औसतन 80 से 120 क्विंटल अदरक का उत्पादन लिया जा सकता है. बाजार में हरी अदरक की कीमत 15 से 30 रुपये प्रति किलो तक रहती है, जबकि सुखी अदरक के दाम और अधिक मिलते हैं. औसतन एक एकड़ से 1.5 से 3 लाख रुपये तक की आमदनी संभव है. लागत घटाने के बाद किसान को प्रति एकड़ 80 हजार से 1.5 लाख रुपये तक का शुद्ध मुनाफा मिल सकता है. इसी वजह से अदरक की खेती आज किसानों के लिए जोखिम के साथ-साथ बड़ा अवसर भी बनती जा रही है. सही जानकारी और प्रबंधन के साथ यह फसल खेती की आमदनी को नई दिशा दे सकती है.